'पापा कहते हैं-पड़ोसी के बेटे ने जमीन खरीद ली, और एक तुम हो' पिता की तुलना से दुखी बेटे को आचार्य प्रशांत ने दी सलाह

Authored By: नंदिनी दुबे | नवभारतटाइम्स.कॉम • 26 Jun 2026, 10:53 am IST

Subscribe

माता-पिता को अक्सर सलाह दी जाती है कि वे कभी भी अपने बच्चों की तुलना किसी दूसरे से न करें। बावजूद इसके, कई घरों में यह आदत आज भी देखने को मिलती है, जिसका बच्चों के पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। ऐसे ही पिता की बार-बार की तुलना और पैसों की मांग से परेशान एक बेटे ने आचार्य प्रशांत के सामने अपना दर्द साझा किया है।

'पापा कहते हैं- पड़ोसी के बेटे ने जमीन खरीद ली, और एक तुम ' (लेख में यूज़ की गईं सभी तस्वीरें सांकेतिक हैं।) Image- pexels

आमतौर पर माना जाता है कि माता-पिता अपने बच्चों से निस्वार्थ प्रेम करते हैं। वे उनकी बेहतर से बेहतर परवरिश करते हैं और बदले में किसी तरह की उम्मीद नहीं रखते। हालांकि, कई बार इसके विपरीत परिस्थितियां भी देखने को मिलती हैं, जब कुछ माता-पिता बच्चों पर आर्थिक या भावनात्मक दबाव बनाने लगते हैं। ऐसा ही

आज का AQI

नई दिल्ली

तापमान वायु गुणवत्ता

82 AQI
PM2.5 26 µg/m³
मॉडरेट

Powered By AQI

वीडियो

ये 4 संकेत दिखे तो समझ जाए बच्चेदानी में हो गया है कैंसर!

अंडे फ्रीज कराना क्या होता है और कितने पैसे लगते हैं?

200 रुपए के टेस्ट से जानें लिवर में हेपेटाइटिस वायरस तो नहीं!

Fuel Price Update: कच्चा तेल $70 पर आया, फिर भी क्यों नहीं घट रहे पेट्रोल के...

एक मामला लेखक आचार्य प्रशांत के एक सत्र के दौरान सामने आया। बातचीत में एक युवक ने अपनी समस्या बताते हुए कहा कि उसके पिता अक्सर कहते हैं, ‘पड़ोस वाले के बेटे को देखो, उसने कर्ज लेकर जमीन खरीद ली और तुमने अभी तक कुछ नहीं किया।’ युवक ने यह भी बताया कि उसके पिता झूठी बीमारी का हवाला देकर उससे पैसे मांगते हैं। युवक की यह बात सुनने के बाद आचार्य प्रशांत ने जो जवाब दिया, वह हर बच्चे और माता-पिता, दोनों के लिए जानना जरूरी है। आइए जानते हैं उन्होंने इस बारे में आखिर ऐसा क्या कहा।

परिवार कहता है- तुम पर इतना पैसा इनवेस्ट किया

आचार्य प्रशांत के सामने एक शख्स अपनी समस्या बताते हुए कहता है कि परिवार से उसे अक्सर यह सुनने को मिलता है, ‘हमने तुम पर इतना पैसा इन्वेस्ट किया है, अब उसे ब्याज समेत वापस करो। घरवाले यह बात सीधे-सीधे कह देते हैं।’ शख्स की बात सुनने के बाद आचार्य प्रशांत कहते हैं, ‘अगर रिश्तों में बातचीत व्यापार की भाषा में हो रही है, तो व्यापार तो कॉन्ट्रैक्ट पर चलता है। उनसे कहिए कि पहले कॉन्ट्रैक्ट दिखाएं। क्योंकि प्रेम में कहीं कोई कॉन्ट्रैक्ट नहीं होता। प्रेम में कोई लिखित करार नहीं होता और न ही वसूली की भाषा में बात होती है। यह कहना कि 'हमने तुम पर इतना खर्च किया है, अब उसे वापस करो'।’ Image-pexels

आचार्य प्रशांत बोले- यह तो व्यापार है

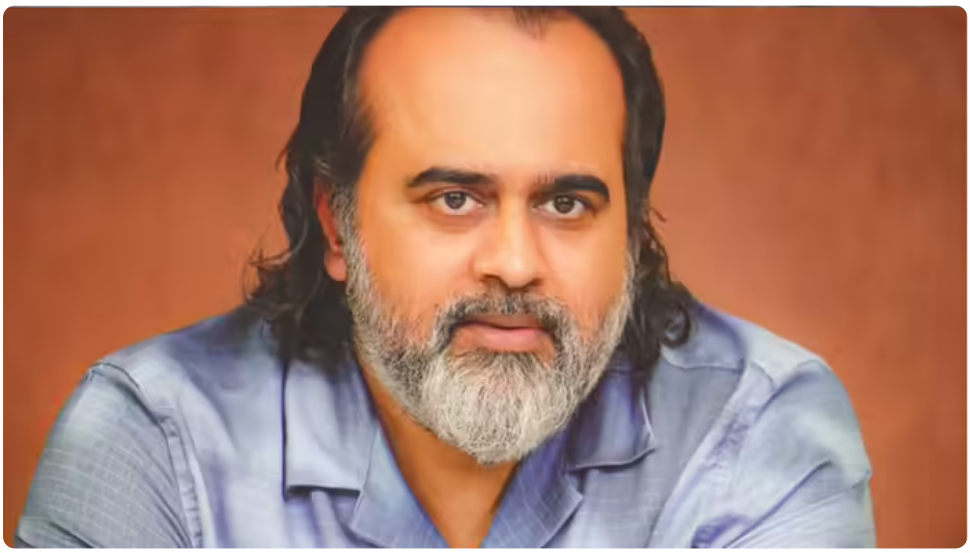

आचार्य प्रशांत आगे कहते हैं कि अगर कोई वसूली की भाषा में बात करने लगे, तो फिर वह प्यार नहीं, व्यापार है। और अगर व्यापार है, तो उनसे कहें कि वे पहले पूरा एग्रीमेंट दिखाइए। साथ ही यह भी बताइए कि उस एग्रीमेंट पर आपके साइन कहां हैं। आपने कब सहमति दी थी कि आप हम पर इतना खर्च करेंगे और बाद में उसे ब्याज सहित

रेकमेंडेड खबरें

'मेरी दोस्त शॉर्ट्स पहनती हैं, लेकिन मुझे शर्म आती है', बच्ची की बात सुन भड़कीं...

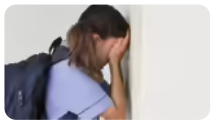

‘मुझे स्कूल नहीं जाना, दोस्त बात नहीं करते क्योंकि...’ बच्ची की बात सुन डॉ. ने जो...

फराह खान बोलीं-डिलीवरी के 2 महीने बाद फिट होने वाली एक्ट्रेसेस को देख नफरत हो...

महिला की 1 जिद की वजह से 7वें महीने में हुई डिलीवरी, वेंटिलेटर पर है मासूम, डॉ....

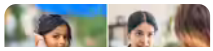

जांच के लिए आई महिला की

वापस मांगेंगे? अगर आपने यह सब प्यार के नाते किया था, तो फिर बदले में उसकी मांग मत कीजिए।

क्योंकि प्यार में इस तरह का हिसाब-किताब नहीं होता। उनसे कह दीजिए कि हमें भी आपसे प्यार है। जब हमारे पास होगा, जितना होगा और जितनी जरूरत समझ आएगी, हम अपनी क्षमता के अनुसार आपकी सेवा जरूर करेंगे। लेकिन वह सिर्फ प्यार के नाते करेंगे। Image- acharya prashant Facebook

पिता झूठी बीमारी के नाम पर पैसा मांगते हैं

लेखक कहते हैं अभी तो आप वसूली की भाषा में बात कर रहे हैं। और अगर वसूली की भाषा में बात होगी, तो फिर कानूनी कॉन्ट्रैक्ट भी दिखाइए। हमने कब सहमति दी थी कि आप हमारे बचपन से लेकर आज तक का सारा खर्च करेंगे और हम उसे ब्याज सहित लौटाने के लिए बाध्य होंगे?' बातचीत के दौरान युवक ने यह भी बताया कि उसके पिता कभी-कभी कहते हैं, 'मुझे बीमारी है, मेरे लिए लोन लेकर पैसे दो।' इस पर आचार्य प्रशांत ने कहा कि अगर वास्तव में बीमारी है, तो उनकी मदद करनी चाहिए।

इसके जवाब में युवक ने स्पष्ट किया कि असल में ऐसी कोई बीमारी नहीं होती। वे सिर्फ पैसे लेने के लिए ऐसा कहते रहते हैं। मैं सोचता हूं कि जब इतनी जरूरत नहीं है, तो फिर पैसे क्यों मांगते हैं। यह सुनने के बाद आचार्य प्रशांत ने कहा कि 'अभी तक यह समझ नहीं आया कि वे ऐसा क्यों कहते हैं।'

यहां देखें पूरा वीडियो

View this post on Instagram

A post shared by आचार्य प्रशांत (@acharya_prashant_ap)

पेरेंट्स और बच्चे के बीच में प्यार हो, यह जरूरी नहीं

तब युवक फिर कहता है कि उसके पिता अक्सर कहते हैं, 'पड़ोस वाले के बेटे को देखो, उसने लोन लेकर खरीद ली और तुमने अभी तक कुछ नहीं किया।' इस पर आचार्य प्रशांत ने कहा, 'अपने पिता से कह दो कि आपकी स्थिति से सहानुभूति है, लेकिन आपका इन्वेस्टमेंट खराब हो गया। अब इसमें और क्या कहा जा सकता है?' आगे उन्होंने कहा, 'ध्यान रखिए, बच्चा पैदा होना सिर्फ एक शारीरिक घटना है। केवल इससे अपने-आप पैदा नहीं हो जाता।

हम एक बहुत बड़े मिथक में जीते हैं कि जहां बच्चा है, वहां माता-पिता और बच्चे के बीच प्रेम का रिश्ता अपने-आप होगा। लेकिन ऐसा जरूरी नहीं है। जो व्यक्ति स्वयं जागरूक ही नहीं है, वह किसी से सच्चा प्रेम कैसे कर सकता है? फिर वह अपने बच्चे से भी प्रेम कैसे करेगा? इस बात को समझना और याद रखना जरूरी है।'

Sign in with Google

Use your Google Account to sign in to indiatimes.com

No more passwords to remember. Signing in is fast, simple and secure.

Continue

लेखक के बारे में

नंदिनी दुबे

नंदिनी दुबे नवभारतटाइम्स.कॉम में प्रेग्नेंसी और पेरेंटिंग राइटर और प्रिंसिपल डिजिटल कंटेंट प्रड्यूसर हैं। वह दो साल के बच्चे की मां भी हैं, इसलिए प्री-प्रेग्नेंसी से लेकर गर्भावस्था के नौ महीनों की जर्नी और शुरुआती पेरेंटिंग तक के अनुभवों को खुद जी चुकी हैं और जी भी रही हैं। इन अनुभवों ने नंदिनी को इस बात का गहरा ... और पढ़ें

लेटेस्ट कमेंट | सारे कमेंट्स पढ़ें (3) » कमेंट पोस्ट करें

41 minutes ago | ये पोस्ट स्पष्टता के लिए सम्बन्ध में बहुत मदद करता है।

Expert Tips from Pregatips.com